वार्तालाप-1423, ज्योति-कनाडा+दिल्ली रघु-भाग-3, दिनांक 09.05.13
Disc.CD No.1423, dated 09.05.13, Jyoti-Canada+Delhi-Raghu, Part-3
Part-1

समयः 01.15-03.28

जिज्ञासुः टी.वी. पर एक सीरियल आया था – राज़ पिछले जन्म का, जिसमें कोई महिला प्रसिद्ध व्यक्तियों या कलाकारों के मुख से उनके पिछले जन्म की कहानी बुलवाती थी ट्रांस में ले जाकरके जिसका नाट्य रूपांतर दिखाया जाता था। और वो ऐसी बातें दिखाते थे जिसको साबित भी किया जा सकता है और जिसका वर्तमान जीवन की किसी कमजोरी या डर से संबंध होता था। वो किस शक्ति के आधार पर ऐसा कर लेते हैं?

बाबाः भूत-प्रेतों की शक्ति के आधार पर। कोई तांत्रिक होते हैं, किसी आत्मा को किसी में प्रवेश करा देते हैं। वो पूर्व जन्म की बातें, एक-दो जन्म की बता सकती हैं। 84 जन्मों का हिसाब-किताब कोई नहीं बता सकता।

Time: 01.15-03.28
Student: A serial was aired on the TV: *Raaz pichle janam kaa* (secret of the past birth), in which a lady used to make some famous people or artistes narrate the story of their past birth by sending them in trance and its dramatized version used to be shown. They used to show such topics that could also be proved and which used to be related to a weakness or fear of the present birth. On the basis of which power are they able to do so?
Baba: On the basis of the power of ghosts and spirits. There are some *tantriks*[1]; they make some soul enter someone. They can narrate the topics of the past birth, of one or two births. Nobody can narrate the account of 84 births.

दूसरा जिज्ञासुः बाबा कहते हैं कि हम अपने जन्मों के बारे में अंत में जान जाएंगे।

बाबाः वो हम किस आधार पर जान जायेंगे? भूत प्रेतों के बताये हुए आधार पर?

दूसरा जिज्ञासुः आत्मिक स्थिति के आधार पर।

बाबाः आत्मिक स्थिति के आधार पर भी नहीं जान जायेंगे। बाबा के दिये हुए ज्ञान के आधार पर जान जाएंगे।

दूसरा जिज्ञासुः क्या बाबा जानते हैं अपने 84 जन्म?

बाबाः बाबा माने शिवबाबा। बाबा माने सिर्फ शरीरधारी नहीं।

Another student: Baba says we will come to know about our births in the end.
Baba: On what basis will we come to know of it? Is it on the basis of the method taught by ghosts and spirits?
The other student: Soul consciousness.
Baba: We will not be able to know it on the basis of soul conscious stage either. We will know it on the basis of the knowledge given by Baba.
The other student: Does Baba know about his 84 births?
Baba: Baba means Shivbaba. Baba does not mean just the bodily being.

[1] People who practice black magic

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 03.41-04.29

जिज्ञासुः अंत में जो आत्माएं माउंट आबू में रहेंगी उनका क्या मापदंड होगा? क्या जिन्होंने भी वहाँ जमीन ले ली है वो सब वहां रहेंगे? क्या ऐसा नहीं हो सकता कि जिन्होंने वहाँ जमीन ली है वो अपने-अपने पुरुषार्थ के आधार पर अंत समय में किसी और धर्मखंड में भी चले जायें?

बाबाः बीजरूप आत्माएं तो अलग-अलग धर्मों की भी होती हैं।

जिज्ञासुः वो तो भले ही उन्होंने जमीन ली हो पर अपने पुरुषार्थ के आधार पे दूसरे खंडों में भी जा सकते हैं।

बाबाः सेवा करने के लिए उनको भेजा जाएगा दूसरे धर्मखंडों में भी। माने जो जिस धर्मखंड की आत्मा होगी उसी धर्मखंड में जाके उनको सेवा करनी पड़ेगी।

जिज्ञासुः और जिन्होंने जमीन ना भी ली हो, वो हो सकता है अपने पुरुषार्थ के आधार पर अंत में वहाँ पहुँच जाएं।

बाबाः हाँ, जी-3.

Time: 03.41-04.29
Student: What will be the criteria of the souls which will live in Mount Abu in the end? Will all those who have purchased land there live there? Can't it be possible that those who have bought land there go to some other religious land in the end on the basis of their individual *purushaarth* (spiritual effort)?
Baba: The seed form souls belong to different religions as well.
Student: They may have bought land, but they can also go to other countries based on the *purushaarth* made by them?
Baba: They will be sent to other religious lands also for service. It means that the religious land to which a soul belongs, it will have to go to that land to do service.
Student: And it is possible that those who haven't even bought land reach there in the end on the basis of their *purushaarth*.
Baba: Yes, yes, yes.

समयः 05.16-11.29

जिज्ञासुः आबू के बारे में एक पौराणिक कहानी है कि गुरू विश्वामित्र से मतभेद होने के बाद गुरू वशिष्ठ यहां आकर बस गये। गुरू वशिष्ठ की गाय नंदिनी आबू की गहरी घाटी में फंस गई। उसे बचाने के लिए गुरू वशिष्ठ ने शिव की तपस्या की जिससे सरस्वती नदी का पानी घाटी में भर गया और नंदिनी ऊपर आ गई और बच गई। बाद में अर्बुद नामक सांप की मदद से यह पानी आबू में टिका रहा। इस अर्बुद सांप के नाम पर उस पर्वत का नाम अर्बुद पर्वत पड़ा।

बाबाः पानी टिका रहा, फिर वो पहाड़ बन गया? पानी कैसे पहाड़ बन जाएगा?

जिज्ञासुः नहीं। पानी तो शायद वो नक्की झील के लिए कह रहे होंगे वो। (बाबा - हाँ।) उसका यादगार होगा। लेकिन वो जो अर्बुद सांप के मदद से वो जो पानी वहाँ टिका रहा उसके आधार पर उसका नाम जो है अर्बुद पर्वत पड़ा। दो कथाएं हैं ऐसी कि आबू नाम क्यों पड़ा माउंट आबू

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

का। एक और कथा के अनुसार अर्बुदा देवी के नाम पर इस पर्वत का नाम अर्बुद या आबू पड़ गया।

Time: 05.16-11.29
Student: There is a mythological story about Abu that after having difference of opinion with Guru Vishwamitra Guru Vashishtha came and settled here. Guru Vashishth's cow Nandini was stuck in the deep ravines of Abu. In order to save it Guru Vashishth performed the *tapasyaa*[2] of Shiva due to which the valley was filled with the water of river Saraswati and Nandini came up and was saved. Later on, this water was retained in Abu with the help of a snake named Arbud. That mountain was named Mount Arbud on the name of this snake Arbud.
Baba: The water was retained, then it became a mountain? How can water become mountain?
Student: No. They must be speaking about the water of Nakki Lake. (Baba: Yes.) It must be its memorial. But the water was retained there with the help of the snake named Arbud and on its basis it was named Mount Arbud. There are two stories regarding why Abu was named Mount Abu. As per one more story this mountain was named Arbud or Abu in the name of Arbuda Devi.

बाबाः साँप के फन पर पृथ्वी टिकी हुई है ये बात तो ठीक है। पृथ्वी का जो हिस्सा बिल्कुल साँप के फन के ऊपर आता है वो अर्बुदाचल पर्वत हुआ। वहाँ तक ठीक है। सांप कौन है जो विष्णु के ऊपर छत्रछाया बनके रहता है? (जिज्ञासु - शेषनाग।) हाँ। कौन है? अरे, कितने मुँह दिखाए जाते हैं उसको? (जिज्ञासु - छह-सात।) सात मुख दिखाए जाते हैं। और सात नारायण हैं ना। सातों नारायण किसकी भाषा बोलते हैं?
जिज्ञासुः वो तो विधर्मी हैं।
बाबाः ब्रह्मा बाबा की ही भाषा बोलते हैं ना। (जिज्ञासु - हाँ।) हाँ।
जिज्ञासुः वो मतलब गुरु वशिष्ठ हैं।
बाबाः वशिष्ठ माने प्योरिटी वाले। (जिज्ञासु - हाँ, जी।) और विश्वामित्र माने जिसमें प्योरिटी नहीं थी। लेकिन विश्व का मित्र था। विश्वपिता था। पुरुषार्थ से सब कुछ लेता था। पुरुषार्थ से स्वर्ग की रचना करता था।

Baba: It is correct that the Earth is balanced on the hood of a snake [as per Hindu mythology]. The portion of the Earth which falls exactly on the hood of the snake happens to be the Arbudacal mountain. It is correct up to that. Who is the snake who acts like a canopy over Vishnu? (Student: Sheshnaag.) Yes. Who is he? *Arey*, how many heads is he shown to have? (Student: Six or seven.) He is shown to have seven heads. There are seven Narayans, aren't there? Whose language do all the seven Narayans speak?
Student: They are *vidharmis*.
Baba: They speak the language of Brahma Baba himself, don't they? (Student: Yes.) Yes.
Student: That means he is Guru Vashishth.
Baba: Vashishth means the one with *purity*. (Student: Yes.) And Vishwamitra means the one who did not have *purity*. But he was the friend of the world. He was the father of the world. He used to obtain everything through *purushaarth*. He used to create heaven through *purushaarth*.

[2] Intense meditation

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः लेकिन यहाँ जो बताया गया है कि गुरु विश्वामित्र से मतभेद के बाद गुरु वशिष्ठ यहाँ आकर बस गए। तो ये भी क्या संगमयुग की किसी घटना का ही...?

बाबाः मतभेद यज्ञ के आदि का है नहीं?

जिज्ञासुः वो सिंध में आदि में मतभेद हो गया। फिर बाद में वहाँ से ये लोग इधर आ गए आबू।

बाबाः हाँ, मतभेद न होता तो लोहे के बक्स के अन्दर पुराना लिट्रेचर क्यों छुपा के आते? (जिज्ञासु - साथ में ले आते।) हाँ, साथ में ले आते। मतभेद था, इसलिए तो छुपाया।

जिज्ञासुः माताजी कह रही हैं कि कुछ लोग अभी ढूंढ रहे हैं उसको, लोहे की पेटी को, जिसमें वो आदि का ज्ञान सारा भरा हुआ है।

बाबाः हो सकता है।

दूसरा जिज्ञासुः

सही समय पर उनको मिल जाएगा।

Student: But it has been mentioned here that Guru Vashishth came and settled here after developing difference of opinion with Guru Vishwamitra. So, does this also point to any incident of the Confluence Age?
Baba: Was there no difference of opinion in the beginning of the *yagya*?
Student: Difference of opinion emerged in the beginning at Sindh. Later on those people shifted from that place to Abu.
Baba: Yes, had there been no difference of opinion why would they hide old literature in an iron box there and then come here? (Student: They would have brought it with them.) Yes, they would have brought it along. There was a difference of opinion; that is why they hid it.
Student: *Mataji* is saying that some people are now searching it; they are searching that iron box which contains the entire knowledge of the beginning.
Baba: It can be possible.
Another student: They will get it at the right time.

समयः 11.35-17.26

जिज्ञासुः अगला प्रश्न है - जब रुद्र माला विजयमाला से श्रेष्ठ है तो फिर ऐसा क्यों कहा जाता है कि रुद्रमाला के मणके विजयमाला में पिरोये जायेंगे? ऐसा क्यों नहीं कहते कि विजयमाला के मणके रुद्रमाला में पिरोये जाएंगे?

बाबाः रुद्रमाला जो है वो बाप की माला है। किसकी माला है? (जिज्ञासु - बाप की माला है।) बाप की माला है। और विजयमाला? विष्णु की माला है। तो विष्णु ज्यादा श्रेष्ठ है या बाप ज्यादा श्रेष्ठ है? (जिज्ञासु - विष्णु, अंतिम पुरुषार्थ के अनुसार।) हाँ, वो तो पुरुषार्थी है। और जो पुरुषार्थ नहीं करता है... शिवबाबा को ज्ञानी तू आत्मा क्यों प्रिय है? ज्ञानी तू आत्मा रुद्रमाला में हैं या बाहर हैं?

जिज्ञासुः ज्ञानी तू आत्मा तो रुद्रमाला में हैं।

बाबाः हाँ। बस यही कारण है।

जिज्ञासुः नहीं, जब रुद्रमाला ज्यादा श्रेष्ठ है तो ऐसा क्यों कहा जाता है कि रुद्रमाला के मणके विजयमाला में एड किये जाएंगे?

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः हाँ। वो ज्यादा पतित हो जाते हैं ना। (जिज्ञासु - रुद्रमाला के मणके।) हाँ। ज्यादा पतित हुए हैं, ज्यादा नीचे गिरे हैं इसलिए तो उनको फिर संग का रंग मिलना जरूरी है।

Time: 11.35-17.26
Student: The next question is: When the *Rudramala* is superior than the *Vijaymala*, then why is it said that the beads of *Rudramala* will be threaded into the *Vijaymala*? Why isn't it said that the beads of *Vijaymala* will be threaded into the *Rudramala*?
Baba: *Rudramala*[3] is the Father's rosary. Whose rosary is it? (Student: It is the Father's rosary.) It is the Father's rosary. And *Vijaymala*[4]? It is Vishnu's rosary. So, is Vishnu superior or is the Father superior? (Student: Vishnu, as per the final *purushaarth*). Yes, he is a *purushaarthi* (the one who makes spiritual effort). And the one who does not make *purushaarth*... why does Shivbaba like knowledgeable souls? Are there knowledgeable souls in the *Rudramala* or outside it?
Student: The knowledgeable souls are in the *Rudramala*.
Baba: Yes. That is all. This is the reason.
Student: No, when the *Rudramala* is superior then why is it said that the beads of *Rudramala* will be added to the *Vijaymala*?
Baba: Yes. They (the *Rudramala* beads) become more sinful, don't they? (Student: The beads of the *Rudramala*?) Yes. They have become more sinful, they have suffered more downfall; this is why it is necessary for them to get more colour of company.

जिज्ञासुः लेकिन उठेंगे भी तो ज्यादा ये ही।
बाबाः हाँ। जब ज्ञान सुनाते हैं, जैसे होता है कि कोई बड़ा आदमी आ जाता है ज्ञान सुनने के लिए तो सबको नशा चढ़ जाता है कि नहीं? पुरुषार्थ का नशा चढ़ता है ना। तो ऐसे ही है। अभी बेसिक में और एडवांस में सारे ही इंतज़ार कर रहे हैं कि विजयमाला से लक्ष्मी निकले। और जब वो बड़ा आदमी निकल आएगा तो नशा चढ़ेगा कि नहीं चढ़ेगा? (जिज्ञासु - चढ़ेगा।) चढ़ेगा। ब्रह्मा बाबा को भी सन् 47 में। वो तो यज्ञ के आदि से ही लगभग भाग गए थे, जब झगड़ा शुरु हुआ था। सिंध, हैदराबाद छोड़करके चले गए। (किसीने कहा-कराची।) पता नहीं चला कहाँ है। वो तो बाद में पता चला कराची गए। लेकिन जब हिन्दुस्तान-पाकिस्तान का बंटवारा हुआ, खून की नदियाँ बहीं तो उस समय जिन कन्याओं-माताओं को सात ताले में बन्द रखा जाता था, उनको मौका मिल गया भागने का। वो सारी इकट्ठी हो गईं ब्रह्मा बाबा के पास जाकरके। तो ब्रह्मा बाबा का नशा चढ़ा कि नहीं चढ़ा? नशा बढ़ गया कि नहीं बढ़ गया? (जिज्ञासु - बढ़ा।) बढ़ गया। बस, मुरली चलने लगी। हिम्मत की तो शिवबाबा ने प्रवेश कर लिया।

Student: But it is they alone who will rise more.
Baba: Yes. When the knowledge is narrated; for example, when a big person comes to listen to knowledge, then does everyone feel intoxicated or not? The intoxication of *purushaarth* rises, doesn't it? It is the same case. Now everyone in the basic and advance is waiting for Lakshmi to emerge from the *Vijaymala*. And when that big person emerges then will they feel intoxicated or not? (Student: They will.) Even Brahma Baba [became intoxicated] in 47. He ran from almost the beginning from the *yagya* when the dispute started. He left Sindh, Hyderabad. (Someone

[3] The rosary of Rudra
[4] The rosary of victory

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

said: Karachi.) Nobody knew where he went. They came to know later that he went to Karachi. But when the partition of India and Pakistan took place, when rivers of blood flowed, the virgins and mothers who used to be kept locked under seven locks got a chance to run away. All of them gathered at Brahma Baba's place. So, did Brahma Baba feel intoxicated or not? Did his intoxication increase or not? (Student: It increased.) It increased. That is all; the murli began to be narrated. When he showed courage Shivbaba entered him.

जिज्ञासुः उस दौरान जब यहाँ कराची आ गए थे तो उस समय जब लोगों को पता नहीं था तो उस समय यज्ञ की संभाल तो वो माताएं ही करती थीं।
बाबाः हाँ, सिंध, हैदराबाद में। हाँ, करती थीं।
जिज्ञासुः ब्रह्मा बाबा के द्वारा कुछ...
बाबाः उस समय नहीं होता था। सन् 47 से मुरली निकलती चली आई है। सब इकट्ठी हो गईं।
जिज्ञासुः माना जब ये बाँधेली माताएं छोड़के आ गई तब इनको उमंग उत्साह आया।
बाबाः उमंग-उत्साह आया। हाँ।
जिज्ञासुः शिव की प्रवेशता हुई और फिर बाद में मुरली।
बाबाः हाँ, प्योरिटी से ही उमंग-उत्साह आती है ना। पवित्रता ही उमंग-उत्साह को बढ़ाती है ना।

Student: During that time when he came to Karachi and people were not aware [of his whereabouts], it was the mothers themselves who took care of the *yagya*?
Baba: Yes, in Sindh, Hyderabad. Yes, they used to [take care].
Student: Through Brahma Baba….
Baba: It was not at that time. The murlis began to be narrated from 1947. All of them gathered.
Student: You mean to say that when the mothers in bondage left [their homes] and came, then he felt zealous and enthusiastic.
Baba: He felt zealous and enthusiastic. Yes.
Student: Shiva entered and then murli.
Baba: Yes. It is *purity* that leads to zeal and enthusiasm, doesn't it? It is purity that increases zeal and enthusiasm, doesn't it?

जैसे ब्रह्मा बाबा के लिए ये बात लागू होती है, ऐसे ही अंत में राम वाली आत्मा के लिए ये बात लागू होती है। ब्रह्मा बाबा के संगी-साथियों के लिए जैसे ये बात लागू होती है, वैसी ही रामवाली आत्मा के रुद्रमाला के मणकों के प्रति भी यही बात लागू होती है। जब वो आएगी, विजयमाला की हेड तो नशा चढ़ जाएगा। इसलिए गायन है कौनसे नशे का? (जिज्ञासु - नारायणी नशे का।) नारायणी नशे का। उस समय का गायन है। अभी नशा चढ़ता है नारायणी नशा?

Just as this topic is applicable to Brahma Baba, this topic is applicable to the soul of Ram in the end. Just as this topic applies to the companions of Brahma Baba, similarly this topic is applicable to the beads of *Rudramala* of the soul of Ram as well. When she, the head of *Vijaymala* comes, then the intoxication will increase. This is why which intoxication (*nashaa*) is famous? (Student: Narayani intoxication.) Narayani intoxication. It is famous about that time. Do you feel that Narayani intoxication now?

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 17.55-19.32

जिज्ञासुः जगदम्बा के लिए कहा जाता है कि वो 108वाँ मणका है। और प्रश्न ये उन्होंने पूछा है कि ऐसा कैसे हो सकता है कि 108वें मणके की प्रत्यक्षता दूसरे मणके से लेकर 107वें मणके से पहले हो गई? उनकी तो पहले ही घोषणा कर दी गई थी कि वो आखरी मणका है। तो दूसरे और दूसरे से लेकर 107वें मणके तक जो है, उनकी प्रत्यक्षता पहले क्यों नहीं हुई?

बाबाः प्रत्यक्षता को जन्म कहा जाता है ना। (जिज्ञासु - हाँ, जी।) कहा जाता है? जो जनम पहले लेता है वो बड़ा होता है या जो जन्म बाद में लेता है वो बड़ा होता है? (जिज्ञासु - जो जन्म पहले लेता है।) असुरों का जन्म पहले हुआ या देवताओं का जन्म पहले हुआ? कौन बड़े थे और कौन छोटे थे? (जिज्ञासु - असुर।) असुर बड़े थे ना। ऐसे ही यहाँ भी है। जगदम्बा की प्रत्यक्षता पहले होना जरूरी है क्योंकि वो चन्द्रवंशी है। चन्द्रवंश से ही रावण राज्य निकलता है। रावण संप्रदाय में कनवर्ट होने वाले सब कौनसे वंश से निकलते हैं? (जिज्ञासु - चन्द्रवंश से।) चन्द्रवंश से। और वो तो सूर्यवंशी है। कौन? (जिज्ञासु -दूसरे मणके।) अष्टदेवों में से जो भी हैं वो तो सूर्यवंशी हैं। तो सूर्यवंशी पक्के देवता हैं या कच्चे देवता हैं? (जिज्ञासु - पक्के देवता।) पक्के देवता तो वो ही हैं। वो बाद में प्रत्यक्ष होंगे।

Time: 17.55-19.32

Student: It is said about Jagdamba that she is the 108th bead. And the question that they have asked is that how can it be possible that the revelation of the 108th bead has taken place before the revelation of the second to the 107th bead? It had already been declared about her that she is the last bead. So, why weren't the second and the beads from the second to 107th beads revealed before her?

Baba: Revelation is called birth, isn't it? (Student: Yes.) Is it called [birth]? Is the one who is born first elder or is the one who is born later on elder? (Student: The one who is born earlier.) Were the demons born first or were the deities born first? Who were elder and who were younger? (Student: The demons.) The demons were elder, weren't they? Similar is the case here. Revelation of Jagdamba should take place first because she is *Chandravanshi* (belonging to the Moon Dynasty). It is from the Moon dynasty only that the kingdom of Ravan emerges. All the people who convert to the Ravan community emerge from which dynasty? (Student: From the Moon dynasty.) From the Moon dynasty. And he is a *Suryavanshi* (belonging to the Sun dynasty.) Who? (Student: The other beads.) All those who are included among the eight deities are *Suryavanshis*. So, are the *Suryavanshis* firm deities or weak deities? (Student: Firm deities.) They are the firm deities. They will be revealed later on. … (to be continued.)

Part-2

समयः 20.48-24.26

जिज्ञासुः अव्यक्त वाणियों में कहा जाता है कि विदेशी भारतवासियों को जगायेंगे। वैसे तो कहा जाता है कि दक्षिण भारत वाले विदेशी हैं और उत्तर भारत वाले स्वदेशी हैं। लेकिन ब्राह्मणों की दुनिया में विदेशी और भारतवासी किन्हें कहेंगे?

बाबाः दक्षिण भारतवालों को नहीं कहा है। दक्षिण भारत है भारत का विदेश। आत्मा स्वदेशी या विदेशी नहीं होती है। जो आत्माओं ने दक्षिण भारत में जन्म लिया है वो सब विदेशी हैं? क्या

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

पूर्व जन्म में कभी उन्होंने उत्तर भारत में जन्म नहीं लिया होगा? (जिज्ञासु - लिया होगा।) फिर? तो प्रश्न को रिफार्म करके बोलो।

जिज्ञासुः माना वो पूछना चाह रहे थे शायद कि बी.के. और पी.बी.के. की कम्पेरिजन में कौन स्वदेशी, कौन विदेशी हुए? जो मतलब भारतवासियों को जगाएंगे। तो वो उस संदर्भ में पूछना चाह रहे थे एक्चुअल में।

बाबाः बी.के. में भी तो दूसरे धर्म वाले भी हैं या नहीं हैं? (जिज्ञासु - हैं।) और विजयमाला वाले भी हैं या नहीं हैं? (जिज्ञासु - हैं।) तो सारे बी.के. को क्यों उठा रहे हो?

Time: 20.48-24.26
Student: It is said in the avyakt vanis that the *videshis* (foreigners) will awaken the *Bharatvasis* (Indians). On the one hand it is said that the south Indians are *videshis* and the north Indians are *swadeshis*. But in the world of Brahmins who will be called *videshis* and *Bharatvasis*?
Baba: The south Indians have not been called [*videshis*]. South India is India's *videsh* (abroad). A soul is not *swadeshi* or *videshi*. Are all those souls who have been born in south India *videshis*? Weren't they ever born in north India in the past births? (Student: They were.) Then? So, *reform* the question and then ask.
Student: Perhaps what they wanted to ask is that when we make a comparison between the BKs and the PBKs, who are the *swadeshis* and the *videshis*, who will awaken the *Bharatwasis*? So, actually they wanted to ask in that context.
Baba: Are there souls of other religions also among the BKs or not? (Student: There are.) And are there those from *Vijaymala* also or not? (Student: There are.) So, why are you talking of all the BKs [as *videshis*]?

जिज्ञासुः माना उनमें जो विजयमाला माना सूर्यवंशी हैं।

बाबाः सूर्यवंशी हैं नहीं।

जिज्ञासुः माना चन्द्रवंशी के बीज।

बाबाः चन्द्रवंशियों के बीज हैं पक्के चन्द्रवंशियों के 100 परसेन्ट बीज हैं।

जिज्ञासुः वो स्वदेशी हुए?

बाबाः हाँ, वो ही स्वदेशी हैं। बाकी सब विदेशी हैं क्योंकि सब कनवर्ट होने वाले हैं।

जिज्ञासुः तो उनको जगाएगा कौन? जो एडवांस पार्टी के विदेशी हैं?

बाबाः वो उनको जगाएंगे।

जिज्ञासुः वो उनको जगाएंगे?

बाबाः हाँ, जो जिसके निमित्त हैं वो ही जगाएंगे।

जिज्ञासुः वो ही ये पूछना था।

बाबाः दूसरे धर्म के बीज हैं वो दूसरे धर्म वालों को जगाएंगे। जो स्वदेशी के बीज हैं वो स्वदेशियों को जगाएंगे।

Student: You mean to say that the *Vijaymala* among them, i.e. the *Suryavanshis*…
Baba: They are not *Suryavanshis* .
Student: I mean to say the seeds of *Chandravanshis*.

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Those who are the seeds of *Chandravanshis*, those who are the firm, 100 percent seeds of *Chandravanshis*.
Student: So, are they the *swadeshis*?
Baba: Yes, they alone are the *swadeshis*. The rest are *videshis* because all of them are going to *convert*.
Student: So, who will awaken them? The *videshis* among the Advance Party.
Baba: They will awaken them.
Student: They will awaken them?
Baba: Yes, only the one who is *nimit* (instrument) to awaken someone will awaken him .
Student: That is what I wanted to ask.
Baba: Those who are seeds of other religions will awaken the people of other religions. Those who are seeds of *swadeshis* will awaken the *swadeshis*.

जिज्ञासुः माना एडवांस पार्टी में जो चन्द्रवंश के बीज हैं वो उन चंद्रवंशियों को जगाएंगे?
बाबाः हाँ, बीज रूप हैं, वो ज्यादा पावरफुल हैं वो उनको जगाएंगे।
जिज्ञासुः और वैसे ही जो एडवांस पार्टी में दूसरे धर्म की आत्माएं हैं...
बाबाः वो दूसरे धर्म वालों को जगाएंगे जो चंद्रवंश में दूसरे धर्म के हैं।

Student: You mean to say the seeds of *Chandravansh* in the Advance Party will awaken the *Chandravanshis*.
Baba: Yes. The seed form [souls] are more *powerful*. They will awaken them.
Student: And similarly, those who are souls of other religions in the Advance Party…
Baba: They will awaken those of the other religions, those of the other religions in the *Chandravansh*.

समयः 24.47-26.10
जिज्ञासुः अगला प्रश्न है - आदि के नौ लाख की जनसंख्या किसको कहेंगे? - जिनको भगवान के आने की पाजिटिव खबर मिली या जिनको निगेटिव खबर मिली वो भी शामिल होंगे क्योंकि नेगेटिव खबर तो दूर-दूर तक फैली थी समाचार पत्रों के द्वारा?
बाबाः जो विदेशी हैं वो नेगेटिव लेने वाले हैं या पाजिटिव लेने वाले हैं? (जिज्ञासुः वो तो नेगेटिव रूप में लेंगे।) नंबरवार विदेशी हैं नंबरवार स्वदेशी हैं।
जिज्ञासुः माना जहाँ-जहाँ समाचार पहुँचा वो सारे उसमें?
बाबाः नौ लाख थे ना उसी समय आबादी, सिंध, हैदराबाद की।
जिज्ञासुः वो तो सिंध, हैदराबाद की थी, लेकिन समाचार तो दूसरे प्रांतों में भी पहुँचा होगा ना कि भगवान आया है?
बाबाः उतना नहीं, उतना नहीं। वहाँ प्रैक्टिकल प्रभाव देखने में आया लोगों को। जो जाते थे वो साक्षात्कार में चले जाते थे। वहाँ प्रैक्टिकल प्रभाव देखने में आया। दूर-दूर वालों को तो उतना प्रैक्टिकल नहीं होता है।

Time: 24.47-26.10
Student: The next question is: Who will be counted among the nine lakh population of the beginning? Those who got the positive news about God's arrival or will those people also be

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

included who got the negative news because the negative news had reached far and wide through newspapers?
Baba: Do the foreigners (*videshis*) take it in a *negative* way or in a *positive* way? (Student: They will take it in a negative way.) There are numberwise[5] *videshis* and numberwise *swadeshis*.
Student: I mean to ask were all those who got the news included in that?
Baba: The population of Sindh, Hyderabad was nine lakh at that time, wasn't it?
Student: That was the population of Sindh, Hyderabad, but the news must have reached other areas also that God has come.
Baba: Not that much, not that much. There (in Sindh) people saw the effect in practice. Whoever went there used to have visions. It was seen in practice there. Those from faraway places do not experience it that much in practice.

जिज्ञासुः लेकिन समाचार तो पहुँचा होगा।
बाबाः वो समाचार का प्रभाव तो तब पड़ेगा जब प्रैक्टिकल सामने हो। सिंध, हैदराबाद में प्रैक्टिकल देखने में आ रहा था लोगों को। जल्दी से आवाज़ फैल गई।
जिज्ञासुः माना ये 9 लाख वाले सब वहीं सिंध, हैदराबाद के थे।
बाबाः उस समय थे। पश्चिम में चले गए पूरब वाले।

Student: But the news must have reached.
Baba: The effect of that news will be seen when something is in practice. People were observing it in practice in Sindh, Hyderabad. The sound spread quickly.
Student: It means that all these nine lakh were there in Sindh, Hyderabad.
Baba: They were there at that time. Those from the East went to the West.

समयः 27.07-33.30
जिज्ञासुः अगला प्रश्न है - यदि आदि में शिव ने यज्ञमाता और यज्ञपिता दोनों में एक साथ प्रवेश किया तो फिर शिव एकव्यापी कैसे साबित हो सकता है?
बाबाः मुकर्रर और टेम्परारी की बात है ना। नहीं है? (जिज्ञासु - है।) तीसरी आँख शंकर को ही दिखाई जाती है कि तीसरी आँख किसी देवी को भी दिखाई जाती है?
जिज्ञासुः महाकाली को भी दिखाई जाती है।
बाबाः तो फिर? फिर मुकर्रर कौन है?
जिज्ञासुः वो तो महादेव होगा।
बाबाः फिर? जो मुकर्रर है उसके लिए है।
जिज्ञासुः उनमें सिर्फ टेम्परारी सुनने सुनाने के लिए।
बाबाः हाँ, जी-3 अब चाहे वो दादा लेखराज ब्रह्मा हों, चाहे जगदम्बा हों।

Time: 27.07-33.30
Student: The next question is: If Shiva entered *yagyamata* (mother of the *yagya*) and *yagyapita* (father of the *yagya*) simultaneously in the beginning, then how can Shiva prove to be *ekvyaapi* (present in one being)?

[5] At different levels according to the knowledge they assimilate

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: It is about being the permanent (*mukarrar*) [chariot] and the *temporary* [chariot], isn't it? (Student: It is.) Is the third eye shown only to Shankar or is the third eye shown to any devi as well?
Student: It is shown to Mahakali as well.
Baba: So, then? Then who is permanent?
Student: That will be Mahadev.
Baba: Then? It is for the one who is permanent.
Student: [He entered her] just temporarily to listen and narrate.
Baba: Yes, yes. Well whether it is Dada Lekhraj Brahma or Jagdamba.

जिज्ञासुः बाबा, ऐसे ही ब्रह्मा बाबा के समय एकव्यापी वाली बात अभी कई लोगों के मन में क्लीयर नहीं हुई है। क्या जब ब्रह्मा बाबा जीवित थे, तब राम वाली आत्मा के तन में भी शिव की प्रवेशता होती थी? राम वाली आत्मा ज्ञान में तो नहीं थी। जैसे सन् 47 या 42 से लेके 69 तक जब रामवाली आत्मा दुबारा ज्ञान में नहीं आई तो तब तक माना तो यही जाता है कि शिव ने माँ के रूप में ब्रह्मा बाबा के द्वारा कार्य किया। तो क्या उस समय भी राम वाली आत्मा में शिव की प्रवेशता होती थी?
बाबाः ये कोई बात हुई? बेसिक नॉलेज ही जो बच्चा नहीं पढ़ा है वो एडवांस में ऊपर बी.ए., एम.ए. की नॉलेज कैसे पढ़ लेगा?
जिज्ञासुः माना उस समय प्रवेशता केवल ब्रह्मा बाबा के तन में ही हुई?
बाबाः हाँ।
जिज्ञासुः उसके बाद तो फिर एकव्यापी है ही 69 के बाद, ब्रह्मा बाबा के शरीर छोड़ने के बाद फिर तो एकव्यापी है ही। लेकिन जब तक ब्रह्मा बाबा और राम वाली आत्मा दोनों जीवित थे उस समय का ही डाउट था कि उस समय क्या दोनों में प्रवेशता होती थी?
बाबाः नहीं।

Student: Baba, similarly, the topic of [Shiva being] *ekvyaapi* during the time of Brahma Baba is not yet clear in the mind of many people. When Brahma Baba was alive, did Shiva enter the body of the soul of Ram as well? The soul of Ram was not in knowledge. For example, from 1947 or 42 to 1969, until the soul of Ram did not come back in knowledge, it is believed that Shiva acted in the form of a mother through Brahma Baba. So, did Shiva enter the soul of Ram at that time as well?
Baba: What is this? How can a child who hasn't learnt the basic knowledge itself study the advance knowledge of B.A., M.A.[6] ?
Student: Does it mean that at that time the entrance [of Shiva] took place only in the body of Brahma Baba?
Baba: Yes.
Student: After that He is anyway *ekvyapi*, after 69; He is *ekvyapi* after Brahma Baba left his body. But I had a doubt only regarding the period when both Brahma Baba and the soul of Ram were alive that whether He entered both of them at that time?
Baba: No.

[6] Bachelor of Arts, Master of Arts

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः माताजी पूछ रही हैं कि ब्रह्मा बाबा ने जनवरी में शरीर छोड़ा था लेकिन रामवाली आत्मा तो दस महीने बाद ज्ञान में आई थी।
बाबाः बच्चा कितने महीने के बाद पैदा होता है?
जिज्ञासुः दस महीने बाद शिव की प्रवेशता हुई क्या?
बाबाः अरे, जब ज्ञान में थी ही नहीं, बेसिक नॉलेज ही नहीं ली तो प्रवेशता की बात कहाँ से पैदा हो जाएगी?
जिज्ञासुः तो उस समय किसी भी रथ में प्रवेशता नहीं हुई क्या?
बाबाः किस समय? नौ महीने? (जिज्ञासुः नौ महीने।) हाँ। और-और बच्चों में हुआ। जैसे यज्ञ के आदि में बहुत बच्चों के नाम रखे। मर गए।

Student: *Mataji* is asking that Brahma Baba left his body in January but the soul of Ram entered the path of knowledge after ten months.
Baba: After how many months is a child born? Hm?
Student: Did Shiva enter after ten months?
Baba: *Arey*, when he wasn't in the path of knowledge at all, when he did not obtain the basic knowledge itself, how will the topic of the entrance [of Shiva] emerge?
Student: So, did He not enter any chariot at that time?
Baba: Which time? Nine months? (Student: Nine months.) Yes. He entered other children. For example many children were given names in the beginning of the *yagya*. They died.

जिज्ञासुः लेकिन कोई दावा तो नहीं कर सकता कि प्रवेशता हुई।
बाबाः प्रवेशता हुई? वैसे जिन बच्चों में प्रवेश करके बाबा सर्विस करते हैं दृष्टि देने की, दृष्टि की पावर देते हैं, ज्ञान की पावर देते हैं, वाचा की पावर देते हैं, उनमें से कोई छाती ठोक के कह सकता है मेरे अन्दर प्रवेशता हुई? (जिज्ञासु - नहीं।) फिर? ये तो कोई भी नहीं कह सकता।
जिज्ञासुः माना बाबा पालना करते रहे ब्राह्मण परिवार की किसी न किसी में प्रवेश करके।
बाबाः हाँ, जी। हाँ, जी।

Student: But nobody can claim that the entrance [of Shiva] took place.
Baba: The entrance took place? Can any of the children whom Baba enters and does the *service* of giving *drishti*, gives the *power* of *drishti*, gives the *power* of knowledge, gives the *power* of words claim that He entered me? (Student: No.) Then? Nobody can say this.
Student: It means that Baba continued to sustain the Brahmin family by entering someone or the other.
Baba: Yes, yes.

समयः 33.40-34.25
जिज्ञासुः बाबा, अर्धनारीश्वर किसे कहेंगे - राम और कृष्ण की आत्मा को, जगदम्बा और जगतपिता को या राम वाली आत्मा और काशीनगरी को?
बाबाः अभी तो थोड़े एक-दो दिन पहले मुरली चली है जिसमें यह क्लीयर कर दिया है कि कम्बाइंड पार्ट को अर्धनारीश्वर कहा जाएगा। माँ और बाप इकट्ठे हैं। माँ-बाप इकट्ठे पार्ट बजाते

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

हैं। वो माँ भी है और बाप भी है। अभी-अभी एक-दो दिन के अन्दर वाणी चली है, दो-चार दिन के अन्दर। सन् 63 या 65 की वाणी है। (किसी और की तरफ इशारा करते हुए) कब की है वो?

जिज्ञासुः तो ये राम और कृष्ण की आत्मा के लिए?

बाबाः हाँ, जी। वो ही तो कम्बाइन्ड होकरके माँ और बाप का पार्ट बजा रही हैं। हाँ।

Time: 33.40-34.25
Student: Baba, who will be called *Ardhanaariishvar?* Is it the soul of Ram and Krishna, is it Jagdamba and Jagatpita or is it the soul of Ram and Kashinagari?
Baba: A murli has been narrated recently, one or two days ago in which it has been made *clear* that the *combined part* will be called *Ardhanaariishvar*[7]. The mother and the Father are together. The mother and the Father play a *part* together. He is the mother as well as the Father. Very recently, in the last one or two days this vani has been narrated, in the last two-four days. It is a vani of 1963 or 65. (Looking at someone else) When is it of?
Student: So, is this for the souls of Ram and Krishna?
Baba: Yes. It is they who combine and play the *part* of the mother and the Father. Yes.

समयः 34.28-35.20

जिज्ञासुः बुद्ध को दशावतार में क्यों शामिल किया गया है? और ऐसा बताया जाता है कि शंकराचार्य ने ही महात्मा बुद्ध को नौवें अवतार के रूप में दर्शाया था। इसका क्या अर्थ है?

बाबाः शंकराचार्य सन्यास धर्म की आत्मा है ना। (जिज्ञासु - हाँ, जी।) और सन्यास धर्म क्या शंकराचार्य से ही शुरु हुआ या बौद्ध धर्म से ही सन्यास धर्म शुरु हो चुका था?

जिज्ञासुः बौद्ध धर्म से ही शुरू हो गया था।

बाबाः तो बुद्ध ही सन्यासी पक्का है।

जिज्ञासुः उनको दशावतार में क्यों शामिल कर लिया गया था? जैसे बिरला मन्दिर वगैरह हैं, उनमें दिखाया जाता है बुद्ध को भी एक अवतार के रूप में दिखा देते हैं।

बाबाः भारतीयों में, भारतीय धर्म की सपोर्ट में कौनसा धर्म सबसे ज्यादा सहयोगी बनता है प्योरिटी में? (जिज्ञासु - बौद्ध धर्म।) तो उसका नम्बर नहीं आना चाहिए?

Time: 34.28-35.20
Student: Why is Buddha included among the ten incarnations (*dashaavataar*)? And it is said that it was Shankaracharya who depicted Mahatma Buddha as the ninth incarnation. What does it mean?
Baba: Shankaracharya is a soul of the Sanyas religion, isn't he? (Student: Yes.) And did Sanyas religion begin only with Shankaracharya or had Sanyas religion started with Buddhism itself?
Student: It had started with Buddhism itself.
Baba: So, Buddha himself is a firm *sanyasi*.
Student: Why was he included among the ten incarnations? For example, in temples like Birla Mandir, etc, Buddha is also depicted as an incarnation.
Baba: Among the Indians, in support of the Indian religion which religion becomes the most helpful in *purity*? (Student: Buddhism.) So, shouldn't he be included [in the ten incarnations]?

[7] Form of God that is half man and half woman

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 36.27-38.10

जिज्ञासुः बाबा एक तरफ कहते हैं कि इम्प्योरिटी से दुनिया का विनाश होता है। राम वाली आत्मा जब पूरा देहअभिमानी अर्थात रावण बन जाती है तब दुनिया का विनाश होता है और दूसरी तरफ कहा जाता है कि सम्पूर्ण आत्मिक स्थिति में टिका हुआ अर्थात् स्वरूपनिष्ठ व्यक्ति यदि संसार की हत्या भी कर दे तो उस पर पाप नहीं लगता। तो फिर विनाश इम्प्योरिटी से होता है या आत्मिक स्थिति से?

बाबाः आत्मिक स्थिति जो है वो स्थापना की हुई नई दुनिया की सुरक्षा करती है और देहअभिमान विनाश करता है। एक ही है स्थापना और विनाश का बीज। यज्ञ के आदि से ही है और अंत तक भी है।

Time: 36.27-38.10
Student: On the one hand Baba says that impurity brings the destruction of the world. When the soul of Ram becomes completely body conscious, i.e. Ravan, then this world is destroyed and on the other hand it is said that even if the one who is constant in a completely soul conscious stage, i.e. a *swarupnishth* person kills the world, he is not stained by any sin. So, then, does destruction take place through impurity or through soul conscious stage?
Baba: The soul conscious stage safeguards the new world that is established and body consciousness destroys it. The seed of establishment and destruction is the same. There is just one seed of establishment and destruction. It is from the beginning of the *yagya* and will be till the end.

समयः 38.26-44.00

जिज्ञासुः कुछ बी.के. यह प्रश्न करते हैं कि दादा लेखराज और ओम राधे मम्मा के बीच आयु के बड़े अंतर के कारण पी.बी.केज़ उनकी प्रवृत्ति को प्रवृत्ति नहीं मानते। किन्तु एडवांस नॉलेज में प्रजापिता तथा जगदम्बा या प्रजापिता तथा योगिनी माँ के बीच भी आयु में बड़ा अंतर है तो क्या इसे भी प्रवृत्ति कहेंगे?

बाबाः बड़ा अन्तर नहीं देखा जाता है। जवानी देखी जाती है आज की दुनिया के हिसाब से और उनकी दृष्टि जिस हिसाब से काउंट कर रही है उस हिसाब से। क्या देखा जाता है? राजाएं होते थे, 60-60 साल के राजाएं हो जाते थे, 16-17 साल की कन्याओं के साथ विवाह करते थे या नहीं करते थे? (जिज्ञासु - करते थे।) उनके माँ-बाप अंधे थे? क्या देखते थे वो?

जिज्ञासुः पद, मान, मर्तबा देखते थे। माना राजा का पद मान-मर्तबा देखते थे कि हमारी कन्या जाएगी उनके घर तो...।

Time: 38.26-44.00
Student: Some BKs raise a question that because of the big difference between the age of Dada Lekhraj and Om Radhe Mamma the PBKs do not consider their household (*pravritti*) to be a household. But in the advance knowledge there is a big difference between the age of Prajapita and Jagdamba or Prajapita and Yogini *maa* as well; so, will this also be called a household?
Baba: A big difference is not seen. Youth (*jawaani*) is taken into consideration from the point of view of today's world and their point of view of counting [the age] is taken into consideration. What is observed? There used to be kings; there we kings whose age was 60years; did they

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

marry 16-17 years old virgins or not? (Student: They did.) Were their parents blind? What did they used to observe?
Student: The post, respect and position. They used to see the post, respect and position of the king that if our daughter goes to his home…

बाबाः और ये नहीं देखते थे कि ये जवान है या नहीं? शौर्यवान है या नहीं है? शौर्यवान भी तो देखते थे। (जिज्ञासु - हाँ, जी।) तो ऐसे ही जगदम्बा जो है वो तो 16-17 साल की हो चुकी थी 83 में। क्या? उसका 66 का जन्म है। (जिज्ञासु - हाँ, जी।) 66 से लेके 83 तक कितने साल हुए? (जिज्ञासु - 16-17 साल हो गए।) 18 साल भी लग गया। फिर? ओम राधे तो 14 साल की आयु थी। 13-14 साल की थी। तो वो उसे क्या कहा जाएगा? बच्ची के समान कहा जाएगा कि पत्नी बनने योग्य थी? (जिज्ञासु - वो तो बच्ची हो गई।) तो फर्स्ट इम्प्रेशन क्या हुआ था? ब्रह्मा बाबा का ओम राधे के साथ चौदह साल की उमर, जब चौदहवाँ साल लग गया था तो फर्स्ट इम्प्रेशन क्या था? बच्ची का था, बेटी का था या पत्नी का था? (जिज्ञासु - बेटी का।) फिर?
जिज्ञासुः बाद में संस्कारों के आधार पर यज्ञ माता।
बाबाः हाँ, योग्य बन गई तो उसको बना दिया यज्ञ माता।

Baba: And did they not see whether this person is young or not? Is he valiant or not? They also used to see whether he is valiant [or not]. (Student: Yes.) So, similarly, Jagdamba reached the age of 16-17 years in 83. What? She is born in 1966. (Student: Yes.) How many years passed from 66 to 83? (Student: 16-17 years.) Yes, 18th year had also started. Then? Om Radhe was [just] 14 years old. She was 13-14 years old. So, what will she be called? Will she be said to be like a daughter or was she suitable to become a wife? (Student: She was a daughter.) So, what was the *first impression*? What was Brahma Baba's *first impression* for Om Radhe Mamma, when she was 14 years, when she entered fourteenth year of her age? Was it of a daughter or a wife? (Student: Of a daughter.) Then?
Student: Later on, she was made *yagya mata* (mother of *yagya*) on the basis of her *sanskaars.*
Baba: Yes. When she became capable then she was made the *yagya mata*.

जिज्ञासुः ऐसे ही यहाँ भी हुआ कि जगदम्बा जब यज्ञ में आई थी तब 9 साल की थी लेकिन बाद में फिर...।
बाबाः कनेक्शन में, उस कनेक्शन में कब आई? जगदम्बा के रूप में प्रतिष्ठित कब हुई? (जिज्ञासु - 83 में।) सन् 76 से? (जिज्ञासु - नहीं।) नहीं। 83 से हुई।
जिज्ञासुः वो ही बात फिर योगिनी माँ पर भी लागू होती है।
बाबाः योगिनी माँ तो उससे भी ज्यादा उमर की थी।
जिज्ञासुः यज्ञ में जब आई?
बाबाः हाँ। "यज्ञ में जब आई" नहीं, सरेण्डर हुई तब। यज्ञ में आने से मतलब है कि सरेण्डर होने से मतलब है? (जिज्ञासु - समर्पित होने से।) हाँ। माना जगदम्बा भी 17-18 साल की थी और योगिनी माँ वो भी 17-18 साल की थी सरेण्डर होने के बाद। तो दृष्टि क्या बनेगी? प्रजापिता की दृष्टि अभी भी दुर्योधन-दुःशासन है या नहीं है? सब पुरुषों की लिस्ट में है या नहीं

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

है? अरे बोलो ना। सच्ची बात बोलने में मुसीबत आती है? (जिज्ञासु - है।) है। सब पुरुष दुर्योधन-दुःशासन हैं। तो दृष्टि क्या थी? फर्स्ट इम्प्रेशन क्या था? (जिज्ञासु - प्रवृत्ति का।) प्रवृत्ति का था। पुत्री का तो नहीं था।

Student: A similar thing happened here that when Jagdamba came in *yagya* she was 9 years old, but later on…
Baba: When did she come in that *connection*? When was she given the position of Jagdamba? (Student: In 83.) From the year 76? (Student: No.) No. From 83.
Student: The same thing then applies to Yogini *maa* as well.
Baba: Yogini mata was much older than her (Jagdamba).
Student: When she entered the *yagya*?
Baba: Not when she entered the *yagya*, [but] when she surrendered. Do we have anything to do with someone's entrance in the *yagya* or do we have anything to do with someone getting surrendered? (Student: By surrendering.) Yes. It means that Jagdamba as well as Yogini *maa* were 17-18 years old after surrendering. So, what will be the vision (*drishti*)? Is the vision of Prajapita still that of Duryodhan-Dushasan or not? Is he included in the *list* of all men or not? *Arey,* speak up, will you not? Do you feel troubled to speak the truth? (Student: He is.) He is. All men are Duryodhan and Dushasan. So, how was his vision [towards Jagdamba and Yogini *maa*]? What was the *first impression*? (Student: Of household.) It was of household. It was not of a daughter. … (to be continued.)

Part-3

समयः 44.35-45.58

जिज्ञासुः पी.बी.केज़ कहते हैं कि एडवांस पार्टी में रामराज्य है और बेसिक में रावणराज्य है। यदि संगम में राम और रावणराज्य साथ-साथ चलता है तो फिर ब्राड ड्रामा में राम और रावणराज्य एक साथ क्यों नहीं होता?

बाबाः ब्रॉड ड्रामा में रावण राज्य होता है द्वापर, कलियुग में, और सतयुग, त्रेता में होता है राम राज्य। और संगमयुग में दोनों की शूटिंग होती है। होती है या नहीं? (जिज्ञासु - होती है।) तो दोनों की शूटिंग जो है अपने-अपने मेंटेलिटी के आधार पर होती है या कोई दूसरा आधार है? मेंटेलिटी के आधार पर।

जिज्ञासुः होती है। लेकिन एक के बाद एक है। (बाबाः हाँ।) एक साथ नहीं होती।

बाबाः नहीं होती। अभी हमारी मेंटेलिटी जैसी है दो क्षण के बाद मेंटेलिटी बदल जाएगी। राम वाली आत्मा क्या रावण राज्य में नहीं जाती है? (जिज्ञासु - जाती है।) तो शूटिंग नहीं करती है? वो भी तो करती है। ऐसे ही हर आत्मा के लिए है। अपनी-अपनी मेंटेलिटी के आधार पर शूटिंग हो रही है। जैसे-जैसे संकल्प हैं, संकल्पों से ब्रह्मा ने सृष्टि रची, तो संकल्पों से ब्राह्मण सृष्टि नहीं रचते हैं अपनी-अपनी? नहीं रचते हैं? रचते हैं। श्रीमत के अनुकूल संकल्प हैं तो सतयुग-त्रेता की सृष्टि है। श्रीमत के विपरीत संकल्प चलते हैं तो द्वापर-कलियुग की सृष्टि रचते हैं।

Time: 44.35-45.58
Student: PBKs say that there is a kingdom of Ram in the advance party and there is a kingdom of Ravan in the basic [knowledge]. If the kingdoms of Ram and Ravan exist simultaneously in

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

the Confluence Age, then why doesn't the kingdom of Ram and Ravan exist at the same time in the broad drama?
Baba: In the *broad drama* the kingdom of Ravan exists in the Copper Age and the Iron Age and there is a kingdom of Ram in the Golden Age and the Silver Age. And the *shooting* of both is performed in the Confluence Age. Does it take place or not? (Student: It takes place.) So, does the *shooting* of both take place on the basis of their individual *mentality* or is there any other basis? It takes place on the basis of the *mentality*.
Student: It does take place, but it takes place one after the other. (Baba: Yes.) It does not take place simultaneously.
Baba: It doesn't. The *mentality* that we have now will change after a few moments. Doesn't the soul of Ram go to the kingdom of Ravan? (Student: It goes.) So, doesn't it perform the *shooting*? It also performs [the shooting]. Similar is the case with every soul. The *shooting* is taking place on the basis of individual *mentality*. As are the thoughts; Brahma created the world through his thoughts; so don't the Brahmins create their individual world through thoughts? Don't they create? They do create. If the thoughts are in accordance with shrimat, then it is a world of the Golden and Silver Ages. If the thoughts are against shrimat, then they create a world of the Copper Age and the Iron Age.

समयः 47.20-48.00

जिज्ञासुः बाबा, मालाओं के हिसाब से देखा जाए तो ब्रह्मा सरस्वती की आत्माओं का नंबर कौनसी माला में आता है?

बाबाः बाबा ने कहा है एक माला नहीं है। और भी मालाएं बना देंगे। क्या? बोला है कि नहीं? (जिज्ञासु - बोला है।) तो बस हर धर्म की अपनी-अपनी माला है। चन्द्रवंश की माला अपनी है। सूर्यवंश की माला अपनी है। इस्लाम वंश की माला अपनी है। हर धर्म में माला घुमाते हैं कि नहीं घुमाते हैं? (जिज्ञासु - हाँ।) तो क्या दूसरे धर्म की माला घुमाते हैं? कि अपने धर्म में जो श्रेष्ठ आत्माएं हैं उनकी माला घुमाते हैं? उनको कौन याद आते हैं? (जिज्ञासु - अपने धर्म के श्रेष्ठ।) अपने धर्म वाले याद आते हैं।

Time: 47.20-48.00
Student: Baba, from the point of view of the rosaries, in which rosary is the number (rank) of the souls of Brahma and Saraswati included?
Baba: Baba has said that there isn't one rosary. More rosaries will be prepared. What? Has it been said or not? (Student: It has been said.) So, that is it; every religion has its own rosary. The Moon dynasty (*Chandrvansh*) has its own rosary. The Sun dynasty has its own rosary. The Islam dynasty has its own rosary. Do they rotate the rosary in every religion or not? (Student: Yes.) So, do they rotate the rosary of other religions? Or do they rotate the rosary of the elevated souls of their own religion? Who comes to their mind? (Student: The elevated ones of their own religion.) The people of their own religion come to their mind.

समयः 48.50-49.53

जिज्ञासुः बाबा, क्या सम्राट अशोक का पार्ट प्रजापिता वाली आत्मा का ही है? अशोक की लाट को आज भारत के राष्ट्रीय चिह्न के रूप में भी उपयोग किया जाता है।

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः जब बापदादा ही किसी का पार्ट डिक्लेयर नहीं कर सकते तो हम कैसे क्लीयर कर सकते हैं? ये तो मूर्खता वाला प्रश्न हो गया ना कि ये पार्ट किसका है? वो पार्ट किसका है? वो पार्ट किसका है?

Time: 48.50-49.53
Student: Baba, does the soul of Prajapita himself play the part of Emperor Ashoka? The emblem of Ashoka is used as the national emblem of India to this date.
Baba: When Bapdada himself cannot *declare* the *part* of anyone, then how can I *clear* [someone's part]? It is a foolish question that who plays this part? Who plays that part? Who plays that part?

जिज्ञासुः लेकिन ज्ञान के आधार पर भी समझा नहीं जा सकता है कि बुद्ध धर्म में जो राजाई की स्थापना का कार्य है, तो वो शुरुआत, राजाई की शुरुआत तो असली, अशोक के द्वारा ही होती है। सबसे ज्यादा फैलाने के निमित्त वो बनता है।
बाबाः अशोक पहले तो हिंसक राजा था। वो राजा बौद्ध धर्म का राजा था क्या?
जिज्ञासुः राजा तो हिन्दू था बाद में बौद्ध धर्म अपना लिया।
बाबाः तो फिर राजा रहा? (जिज्ञासुः तब तो सन्यासी हो गया।) फिर?

Student: But can't we understand on the basis of knowledge that the task of establishing kingship in Buddhism was started, the kingship was started in reality by Ashoka . He becomes instrument in spreading it (Buddhism) the most.
Baba: Ashoka was initially a violent king. Was he a king of Buddhism?
Student: Initially he was a Hindu; he adopted Buddhism later on.
Baba: So, did he remain a king? (Student: Then he became a *sanyasi.*) Then?

समयः 50.41-54.04
जिज्ञासुः बाबा, हम जब बी.केज़ को कहते हैं कि बी.केज़ ने ओरिजिनल मुरलियों को संभाल कर नहीं रखा तो किसी बी.के. ने यह पॉइंट मुरली का इंटरनेट पे सुना दिया। ये 3.9.82 की मुरली है - "अब तुम समझते हो कि ज्ञान का सागर अथाह ज्ञान देते रहते हैं और अंत तक देते ही रहेंगे। हम यह मुरली इकट्ठा कर सकेंगे क्या? यह रखने की चीज़ नहीं है। शास्त्र आदि तो फिर भी भक्तिमार्ग के काम में आते हैं। हम जो लिखते हैं, वह फिर क्या काम में आएगा? कहाँ हमारे 2-4 हज़ार, कहाँ उन्हों की करोड़ों की अंदाज़ में गीताएं बनती हैं सब भाषाओं में। सर्व शास्त्रमई शिरोमणि गीता का बहुत मान है। गीताएं शास्त्र आदि कितने पढ़ते होंगे।" तो हमने ये जवाब दिया कि उस समय के बी.केज़ ने सोचा कि बाबा तो ब्रह्मा के द्वारा अंत तक ज्ञान सुनाता रहेगा इसलिए उन्होंने मुरलियों का रिकार्ड नहीं रखा। लेकिन उक्त मुरली के अनुसार क्या अंत में बेसिक की मुरलियों का मान खतम हो जाएगा?

Time: 50.41-54.04
Student: Baba, when we tell the BKs that BKs have not taken care of the original murlis, then a BK narrated this point of a murli on the internet. This is a murli dated 3.9.82 – "Now you understand that the Ocean of Knowledge keeps giving immeasurable knowledge and He will

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

continue to give it till the end. Can we collect these murlis? This is not a thing to be kept. The scriptures etc. are useful in the path of *bhakti*. Of what use will whatever we write be? Can there be a comparison between our 2-4 thousand [murlis] and their millions of Gitas in all the languages. The crown jewel among all scriptures, i.e. the Gita is given a lot of respect. So many people must be reading Gitas, scriptures, etc." – So, we gave a reply that the BKs of that time thought that Baba will continue to narrate knowledge through Brahma till the end; this is why they did not keep a record of the murlis. But will the respect for the basic murlis diminish in the end as per the above murli point?

बाबाः जो भगवान साबित किया जायेगा, उसका मान रखेंगे या जो देहधारी धर्मगुरू साबित होंगे उनका मान रखेंगे?

जिज्ञासुः जो भगवान का पार्टधारी साबित होगा।

बाबाः अच्छा, दूसरी बात ये है कि जो ब्रॉड ड्रामा है उसमें ब्रह्मा मुख से वेद उच्चारण किए गए उनका मान रखा गया, वो ज्यादा पढ़ते हैं या दूसरे शास्त्र ज्यादा पढ़ते हैं?

जिज्ञासुः गीता ज्यादा पढ़ते हैं।

बाबाः गीता ज्यादा पढ़ते हैं। ऐसे ही है। गीता ज्ञान जिसे हम गीता ज्ञान कहते हैं वो ज्ञानामृत कब कहा जाता है?

जिज्ञासुः जब मंथन होता है उसका।

बाबाः तो 68-69 तक, 18 जनवरी तक गीता को हम अमृत कहें? गीता ज्ञानामृत कहें?

जिज्ञासुः उस समय तो अमृत नहीं कहेंगे।

बाबाः नहीं था। तो भगवान की उच्चारण की हुई चीज़ नहीं हुई। ब्रह्मा की उच्चारण की हुई चीज़ मानी जाएगी। भगवान की उच्चारण की हुई, भगवान के रूप में प्रत्यक्ष होने वाले की उच्चारण की हुई वाणी नहीं मानी जाएगी। तो लोग उसका मान क्यों रखेंगे? जिससे फायदा होगा उसका मान रखेंगे या जिससे फायदा ही नहीं हुआ उसका मान रखेंगे? फायदा किससे हुआ?

जिज्ञासुः फायदा तो एडवांस ज्ञान से ही हुआ।

Baba: Will they respect the one who is proved to be God or will they respect those who are proved to be bodily religious gurus?
Student: [They will respect] the one who is proved to be playing the part of God.
Baba: *Acchaa*, the second thing is that in the *broad drama* were the Vedas that were narrated through the mouth of Brahma given more respect, do they read it more or do they read other scriptures more?
Student: They read the Gita more.
Baba: They read the Gita more. Similar is the case [with murlis]. When is the knowledge of the Gita, the thing which we call the knowledge of the Gita, called the nectar of knowledge?
Student: When the churning takes place.
Baba: So, can we call the Gita (murlis) [narrated] till 68-69, till 18th January [1969]? Can we call it the nectar of the knowledge of the Gita?
Student: It will not be called nectar at that time.
Baba: It wasn't. So, it wasn't something narrated by God. It will be considered to be something narrated by Brahma. It will not be considered to be narrated by God; it will not be considered to

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

be a *vani* narrated by the one who is revealed as God. So, why will people respect it? Will they respect the one who brings their benefit or will they respect the one who did not bring their benefit at all? Who brought benefit?
Student: They were benefited only through the advanced knowledge.

बाबाः तो जो ज्ञाना**मृत** है, अमृत पीने से अमर बनेंगे या जो अमृत नहीं है उसे पीने से अमर बनेंगे? (जिज्ञासु - अमृत पीने से।) अमृत तो सागर से ही आता है।
जिज्ञासुः यहाँ तो संख्या भी टैली हो रही है कि 2-4 हज़ार हमारे कह रहे हैं। तो हमारे 2-4 हज़ार तो वो ही हो गए जिनका इनके पास स्टॉक है, जो रिवाइज्ड मुरलियाँ हैं। और जो गीताएं हैं वो तो करोड़ों की संख्या में जो हैं छपेंगी, बोल रहे हैं। तो वो फिर एडवांस नॉलेज से टैली होता है कि सच्ची गीता है...
बाबाः गीताएं नहीं बोला है। बाबा ने बोला है तुम्हारी मुरली अभी तो कम छपती है। आगे चल करके करोड़ों की तादाद में मुरली छपने लग पड़ेंगी। लाखों की तादाद में तुम्हारे सेन्टर्स खुल जावेंगे।
जिज्ञासुः तो यहाँ के लिए, एडवांस के लिए।
बाबाः यहाँ की बात है कि वहाँ की बात है?

Baba: So, as regards the **nectar** of knowledge, will someone become eternal by drinking the nectar or will they become eternal by drinking something that is not the nectar ? (Student: By drinking the nectar.) Nectar comes only from the ocean.
Student: Here the number can also be tallied that 2-4 thousand have been mentioned as 'ours'. So, 'our 2-4 thousand' are those which they have in stock, the revised murlis. And it is being said that the Gitas will be published in millions. So, that is tallied with the advance knowledge that this is the true Gita…
Baba: It has not been said Gitas. Baba has said that your murli is now published in small numbers. In future the murlis will be published in millions. Lakhs (hundred thousands) of your centers will be opened.
Student: So, this is for this place, for advance [knowledge].
Baba: Is it about this place or that place?

समयः 56.23-58.05
जिज्ञासुः एक किसी बी.के ने प्रश्न पूछा था कि पी.बी.के का अलौकिक जन्म हुआ कब माना जाएगा या वो मुखवंशावली कब माने जाएंगे? जब वे एडवांस ज्ञान सुनते हैं और उस पर निश्चय पैदा करते हैं या जब वे शिवबाबा के रथ को साकार में देखते हैं कंपिल में या किसी भी जगह पर या जब वे साकार रथ को टी.वी के द्वारा या वी.सी.डी के द्वारा देखते हैं और निश्चय पैदा कर लेते हैं? माना किस समय उनको मुखवंशावली माना जाएगा? जब वे साकार में मिलते हैं तब या अगर मतलब टी.वी पर भी देख लेते हैं और निश्चय पैदा कर लेते हैं तब या सिर्फ एडवांस नॉलेज सुनके भी अगर निश्चय पैदा कर लेते हैं तब?

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः बाप का बच्चा बाप की गोद में जब तक नहीं भी आया है, पैदा तो हो चुका। बाप के घर में आ चुका। (जिज्ञासु - हाँ, जी) गर्भ में रहा। तो बच्चा नहीं है? (जिज्ञासु - है) बच्चा तो है। अब वो सौतेला है, मातेला है, ये तो बाद में प्रत्यक्ष होगा, जब फाइनल पेपर होगा।

Time: 56.23-58.05
Student: Once a BK had asked a question that when will the PBKs be considered to have got the *alokik* birth or when will they be considered to be the mouth born progeny? Is it when they listen to the advance knowledge and have faith on it or when they see the chariot of Shivbaba in corporeal at Kampil or any place or is it when they see the corporeal chariot on TV or through VCD and have faith? I mean to ask, when they will be considered to be mouth born progeny? Is it when they meet Him in corporeal or when they see Him on TV and have faith or when they have faith just by listening to the advance knowledge?
Baba: The Father's child may not have come to the Father's lap, but he has been born, he has come to the Father's home. (Student: Yes.) He stayed in the womb. So, is he not a child? (Student: He is.) He is certainly a child. Well, whether he is a step-child (*sautelaa*), [or] a real child (*matelaa*) will be revealed later on when the final *paper* (examination) takes place.

जिज्ञासुः माना बाबा से मिलने के बाद भी नहीं?
बाबाः कोई जरूरी है? विरोधी नहीं हो जाते हैं? विष्णु पार्टियाँ नहीं बनाते हैं? (जिज्ञासु - बनाते हैं।) तो फिर?
जिज्ञासुः माना फाइनल परीक्षा के बाद ही पता चलेगा कि सौतेला है या मातेला है?
बाबाः सौतेला है या मातेला है। हाँ।

Student: Does it mean [that he is] not [a child] even after meeting Baba?
Baba: Is it necessary? Don't people become opponents? Don't they form Vishnu parties? (Student: They form.) So, then?
Student: Does it mean that we will come to know only after the final exam whether he is a step-child or a real child?
Baba: Step child or a real child. Yes.

समयः 59.02-01.01.56
जिज्ञासुः एडवांस ज्ञान के हिसाब से लेट का बोर्ड कब लगा था और टू-लेट का बोर्ड कब लगेगा? और क्या 2018 को टू-लेट माना जा सकता है?
बाबाः जो संपन्न स्टेज वाले हैं वो कितने हैं?
जिज्ञासुः 108?
बाबाः 108 में दूसरे धर्म वाले नहीं हैं? (जिज्ञासु - हैं।) तो फिर? (जिज्ञासु - सूर्यवंशी।) हाँ, सूर्यवंशी जो आठ हैं उनका अगर डिक्लेरेशन हो गया तो फिर टू लेट का बोर्ड तो लग गया। लेकिन कहा नहीं जाएगा, कहा जाएगा सिर्फ लेट हुए हैं, अभी भी 108 में आ सकते हैं।

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 59.02-01.01.56
Student: From the point of view of the advance knowledge, when was the board of 'late' displayed and when will the board of 'too-late' be displayed? And whether 2018 can be considered as too-late?
Baba: How many attain the perfect stage?
Student: 108?
Baba: Aren't the [souls] of the other religions included among 108? (Student: They are.) So, then? (Student: *Suryavanshi*.) Yes, once the *declaration* of the eight *Suryavanshis* has taken place then the *board* of *too-late* has been displayed. But it will not be called [too-late], it will be said that it has been *late*; even now you can come in 108.

जिज्ञासुः तो टू लेट का बोर्ड कब लगेगा?
बाबाः जब आठ प्रत्यक्ष हो गए। आठ की प्रत्यक्षता हुई तो लेट तो हो गए। ये पक्का है। लेकिन अभी टू लेट नहीं हुए हैं। अभी राज परिवार के राजाएं बन सकते हैं। पढ़ाई का जो लक्ष्य है राजा बनना, वो 108 में आ सकते हैं। वो भी न आए, तो टू लेट हो गए। राजयोग की पढ़ाई पढ़ी और राजा नहीं बने तो टू लेट हो गए ना।
जिज्ञासुः माना आठ की प्रत्यक्षता को लेट का बोर्ड कहेंगे और...।
बाबाः लेट हो गया।
जिज्ञासुः 108 जब प्रत्यक्ष हो जाएंगे तब टू लेट।
बाबाः टू लेट हो जाएगा। अब राजा नहीं बन सकते। अब राजयोग की पढ़ाई पढ़ने का कोई फायदा नहीं।
जिज्ञासुः लेकिन उसके आगे की माला में तो जा सकते हैं ना बाबा। उसके आगे की 16000 की या 9 लाख की माला में तो जा सकते हैं?
बाबाः जाओ। वो तो गरारी पर रख करके खींची जाती है। दस-बीस लोग मिल करके खींचते हैं। वो माउंट आबू में जा रहे हैं ना 10-10, 15-15 की पार्टी बना करके।

Student: So, when will the board of too-late be displayed?
Baba: When eight are revealed. When the eight are revealed then you are *late*. This is sure. But still you are not *too late*. Still you can become the kings of the royal family. The aim of the studies is to become kings; you can come in those 108. If you are not included even among them, then you are *too late*. If you study *Raja yoga* and do not become a king, then you are *too late*, aren't you?
Student: Does it mean that the revelation of the eight will be called the board of late and…
Baba: …you are *late*.
Student: When 108 are revealed then it is too-late.
Baba: …then it will be *too-late*. Now you cannot become kings. Now there is no use of studying the study of Raja yoga.
Student: But Baba we can be included in the further rosaries, can't we? We can be part of the further rosaries of 16000 or 9 lakh (900 thousand), can't we?
Baba: You may go. That [rosary] is kept on a pulley and pulled. Ten-twenty people pull it together. They are going to Mount Abu forming parties of 10 - 15 people each, aren't they?

समयः 01.02.05-01.03.29

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः माताजी कह रही हैं कि उनके पास ब्रह्मा बाबा की 1965 की एक, 5 जून की, 1965 की मुरली है, ब्रह्मा बाबा की।

बाबाः अव्यक्त वाणी?

जिज्ञासुः सी.डी।

बाबाः अव्यक्त वाणी है।

जिज्ञासुः सीडी है 1965 की ब्रह्मा बाबा की।

दूसरा जिज्ञासुः उनकी ओरिजनल आवाज में मुरलियाँ है।

बाबाः अरे, अभी तो आपकी 62, 63 से लेकरके 68 तक की सारी मुख से सुनाई हुई सुनाई जा रही हैं आपको। सारी सीडियाँ सुनाई जा रही हैं।

जिज्ञासुः बी.के से मिली होगी उनको एक सीडी कोई।

बाबाः जो दूसरों को दे रहे हैं ना सब को खुले रूप में वो अभी काट-पीट के दे रहे हैं।

Time: 01.02.05-01.03.29
Student: Mataji is saying that she has a murli of Brahma Baba [in his original voice] dated 1965, 5th June, 1965.
Baba: Avyakt vani?
Another student: CD.
Baba: There is an avyakt vani.
Student: I have a CD of 1965 of Brahma Baba.
The other student: She has murlis in his original voice.
Baba: *Arey*, now you are being narrated the [murlis] which were narrated from his mouth from 62, 63 to 68. All the CDs are being narrated.
The other student: She must have got a CD from the BKs.
Baba: The ones that they are giving openly to everyone, they are given after editing.

समयः 01.04.01-01.05.12

जिज्ञासुः बाबा, यज्ञ के आदि में प्रजापिता के रहते-रहते जिन बी.केज़ ने अलौकिक जन्म ले लिया था क्या उन्हें पी.बी.के या मुखवंशावली कहा जा सकता है?

बाबाः पी.बी.के कहाँ से हो गए जब प्रजापिता प्रत्यक्ष ही नहीं हुआ? (जिज्ञासुः जन्म तो दिया।) जन्म तो दिया लेकिन अम्मा का जन्म उनकी बुद्धि में साबित हुआ या बाप का जन्म प्रत्यक्ष हुआ?

जिज्ञासुः अम्मा ज्यादा प्रत्यक्ष हो गई।

बाबाः बच्चों के सामने अम्मा ही प्रत्यक्ष होती है ना पहले। तो हुई। वो चाहे सूर्यवंशी हों, चाहे चन्द्रवंशी हों, कोई वंशी हों। जो भी ब्रह्मा की गोद के बच्चे हैं वो माँ को ही सब कुछ समझते हैं।

जिज्ञासुः पी.बी.केज़ नहीं कह सकते लेकिन मुखवंशावली तो कह सकते हैं उस समय?

बाबाः मुखवंशावली तब कहें जब मुख से निकली हुई वाणी पर विश्वास करें। ब्रह्मा ने ही मुख से निकली हुई वाणी पे विश्वास नहीं कर पाया कि ये बाप है, तो दूसरे जो परवर्ती वो कहाँ से विश्वास कर लेंगे?

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः फिर 76 के बाद जो आ रहे हैं वो ही मुखवंशावली हुए। (बाबाः हाँ, जी।) मुखवंशावली भी और पी.बी.के भी।

बाबाः हाँ, जी।

Time: 01.04.01-01.05.12
Student: Baba, can those BKs who had taken the *alokik* birth during the lifetime of Prajapita in the beginning of the *yagya* be called PBKs or the mouth born progeny?
Baba: How can they be PBKs when Prajapita was not revealed at all? (Student: He did give birth.) He did give birth, but was the birth of mother (*Amma*) proved in their intellect or was the Father's birth revealed?
Student: The mother was revealed more.
Baba: It is the mother only who is revealed before the children first. So she was.
Whether they are *Suryavanshis*, *Chandravanshis* or they may belong to any dynasty. All those who are the children of Brahma's lap consider the mother herself to be everything.
Student: We cannot call them PBKs but can we call them mouth born progeny at that time?
Baba: They will be called mouth born progeny when they believe in the versions that emerge from the mouth. When Brahma himself could not believe the versions that emerged from his mouth that this is the Father, then why will the others, the latter ones believe?
Student: So, only those who are coming after 76 the mouth born progeny. (Baba: Yes.) Mouth born progeny as well as PBKs.
Baba: Yes. (Concluded.)

Email Id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info